पत्रिका PLUS

Bhilai . Tuesday
06/12/2016

patrika.com/entertainment

citylive infocus screen play

रेड कारपेट पर सेलेब्स की चमक

बढ़ेगी हायरिंग

एक रिपोर्ट के अनुसार इन सेक्टर्स में वर्ष 2017 में 16 से 20 फीसदी की वृद्धि होने की संभावना बताई जा रही है।

टेलिकॉम और उससे संबंधित क्षेत्रों में हायरिंग को लेकर दिल्ली सबसे पसंदीदा राज्य के रूप में उभरा है। यह बात एचआर सोल्युशंस कंपनी पिपुलस्ट्रॉन्ग के एक नए सर्वे से सामने आई। पिपुलस्ट्रॉन्ग के इंडिया हायरिंग इन्टेन्ट सर्वे के अनुसार वर्ष 2017 में इन सेक्टर्स में 16 से 20 फीसदी की वृद्धि की संभावना है। इस संदर्भ में पिपुलस्ट्रॉन्ग के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर पंकज बंसल का कहना है कि, 'वर्तमान समय टेलिकॉम और उससे संबद्ध क्षेत्रों में हुए बहुत सारे कामों का साक्षी है। इसका सकारात्मक परिणाम है कि इन सेक्टर्स में हायरिंग एक्टिविटी तेज हुई है।' उन्होंने आगे यह भी कहा कि, 'यह सबसे ज्यादा रोचक है कि टेलिकॉम और उससे संबद्ध इंडस्ट्री के एम्प्लॉयर दिल्ली में हायरिंग करना चाहते हैं। इसके पीछे यहां इंजीनियरिंग की उपलब्धता और जनरल ग्रेजुएट टैलेंट को इन एरिया में आकर्षित करना है। वास्तविकता तो यह है कि बहुत से टेलिकॉम और संबद्ध इंडस्ट्री के मुख्यालय दिल्ली एनसीआर में है।' सर्वे के लिए टेलिकॉम और संबद्ध सेक्टर को प्राथमिकता देने वाले 20 से 25 वर्ष के युवा कैंडिडेंट्स को शामिल किया गया। हालांकि इस सेक्टर में जेंडर डाइवरसिटी बहुत ही कम देखी गई। सर्वे में लिंग के अनुसार पुरुष और महिलाओं का प्रतिशत 83.84 फीसदी और 16.16 फीसदी रहा। असल में बहुत-सी कंपनियों के हायरिंग टारगेट में महिलाओं के लिए कोई स्थान नहीं है।

EVENT TODAY

मां का दूध है वरदान

समय से पूर्व जन्म लेने वाले बच्चों के लिए मां का दूध वरदान है। दरअसल समय पूर्व हुए बच्चों के हृदय के असामान्य होने की शिकायत होती है। ऐसे में मां का दूध बच्चे की हृदय की संचरना में सुधार करता है उसे जल्द ही दुरुस्त करने में सहायक होता है। एक शोध के अनुसार ऐसे बच्चों में हार्ट के छोटे कक्षों, मोटी दीवारों और क्रियांतत्र की कमी जैसी समस्याएं मिलती है।

व्यायाम देगा दमा से राहत

यदि आप नियमित आधा घंटा व्यायाम करते हैं तो इससे आपको दमा से राहत मिलेगी। यह बात एक शोध से सामने आई। शोध के अनुसार नियमित व्यायाम करने वालों में व्यायाम न करने वालों की तुलना में अस्थमा के लक्षणों पर ढाई गुना अधिक नियंत्रण देखा गया। इससे आपको रिलिवर दवा 'ब्ल्यू पफर' लेने की आवश्यकता भी नहीं होगी। इसलिए व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

कई बार रिज्यूमे भेजने का तरीका ही इंटरव्यू लेने वालों को प्रभावित कर देता है, और कॉल आ जाती है।

रिज्यूमे ही होता है फर्स्ट इम्प्रेशन

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

किसी भी जॉब के लिए रिज्यूमे आपका पहला इंप्रेशन होता है, इसी के आधार पर आपकी एक इमेज बना ली जाती है। देखा जाए तो आज का समय प्रतिस्पर्धा वाला है, ऐसे में किसी भी जॉब के लिए हजारों, लाखों में आवेदन प्राप्त होते हैं। जब बात केवल इंटरव्यू से सेलेक्शन की हो तो वहां रिज्यूमे बहुत ही महत्वपूर्ण हो जाता है। आपके पास इंटरव्यू के लिए कॉल आएगा या नहीं यह आपके रिज्यूमे पर निर्भर करता है। इसलिए आपका रिज्यूमे इतना इंप्रेसिव होना चाहिए कि वह कुछ ही सेकंड में एम्प्लॉयर को प्रभावित कर लें। इसमें आपकी स्किल्स और क्वालिफिकेशन की सही जानकारी होनी चाहिए। साथ ही जॉब की आवश्यता को भी हाइलाइट किया जाना चाहिए।

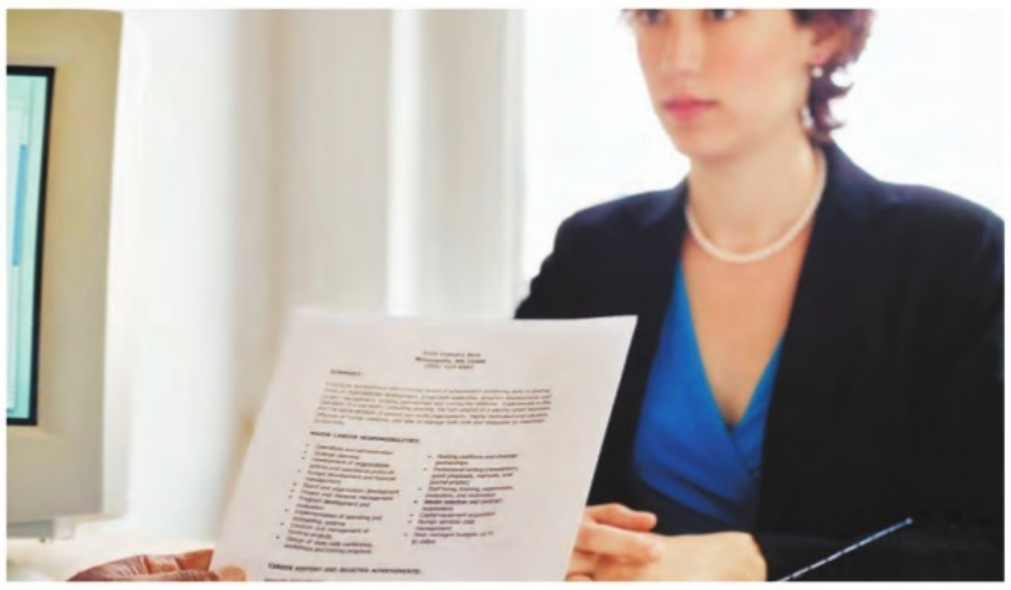

आत्मप्रशंसा न करें

आपका रिज्यूमे आपके अनुभव और उपलब्धियों का लेखा-जोखा होता है, उसमें यदि आप अपनी तारीफ करने के लिए 'ग्रेट लीडरशिप स्किल्स' 'क्रिएटिव इनोवेटर' जैसे शब्दों को डालते हैं, तो उसका कोई फायदा नहीं, क्योंकि एंप्लॉयर आपके ऐसे स्व-आंकलन पर बहुत भरोसा नहीं करते है। इसलिए अपने रिज्यूमे में तटस्थ तथ्य रखें तो बेहतर है। कई युवाओं में यह आदत आम है, इसलिए आप इस तथ्य से दूरी बनाएं। यही बेहतर होगा।

शॉर्ट में हो इंफॉर्मेशन

अपना वर्क और एक्सपीरियंस बताने के लिए प्रभावी और कम से कम शब्दों का प्रयोग करें। यदि आप ज्यादा शब्दों का प्रयोग करेंगे तो वह नियोक्ता को बोरिंग लगेगा और रिज्यूमे को पूरा पढ़ने का मन नहीं होगा।

अपनी स्किल्स बढ़ाए

अपनी स्किल्स को पहचाने और उन्हें मजबूत बनाने की दिशा में काम करें। साथ ही रिज्यूमे में स्किल्स को भी अच्छी तरह से हाई लाइट करें। ध्यान रहे कि इंटरव्यू के दौरान इस पक्ष पर आपसे ज्यादा सवाल पूछे जा सकते हैं। इसलिए स्किल्स को उसी तरह से पेश करें।

की-वर्ड पहचानें

जब भी किसी जॉब के लिए विज्ञापन निकलता है तो उसके लिए कई तरह के की-वर्ड का भी इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए एक प्रभावी रिज्यूमे बनाने के लिए आपको उन शब्दों को पहचानना होगा और उन्हें रिज्यूमे में अवश्य रूप से शामिल करें। इससे आपका इंप्रेशन बहुत अच्छा बनेगा।

ज्यादा बड़ा न हो रिज्यूमे

यदि आप कॅरियर की शुरुआत कर रहे हैं, तो एक पेज का रिज्यूमे ही काफी है, क्योंकि आपका एक्सपीरियंस इतना नहीं होता जिसे आप दूसरे पेज तक खींच सकें। इसी तरह अनुभवी लोगों के लिए भी दो पेज का रिज्यूमे पर्याप्त है। कोई भी एंप्लॉयर एक रिज्यूमे देखने में आधा मिनट से ज्यादा खर्च नहीं करता, इसलिए अतिरिक्ति पेज लगाने से कई चीजें इग्नोर ही हो जाएंगी।

जॉब के अनुसार हो रिज्यूमे

आप जिस भी जॉब के लिए एप्लाई करने जा रहे हैं आपका रिज्यूमे भी उसी की आवश्यकता के अनुसार होना चाहिए। हर जगह एक ही तरह का रिज्यूमे न दें बल्कि उसमें जॉब के अनुसार आवश्यक परिवर्तन का विशेष ध्यान रखें। इससे इंटरव्यूवर को शॉर्ट लिस्ट करने में आसानी रहेगी। साथ ही अपने कवर लेटर को भी जॉब के अनुसार ही बनाएं।

सही हो इंफॉर्मेशन

रिज्यूमे में सबसे ज्यादा ध्यान देने वाली बात यह है कि आपकी बेसिक इंफॉर्मेशन गलत नहीं होनी चाहिए। यानी आपका कॉंटेक्ट नंबर, ई-मेल, पोस्टल एड्रेस आदि की जानकारी सही होनी चाहिए। इसलिए दी जाने वाली जानकारियों का खास ख्याल रखें।

अच्छा हो डिजाइन

रिज्यूमे को देखने के दौरान आपकी एक इमेज बना ली जाती है। ऐसे में यदि जॉब प्रोफाइल से मिलती हुई जानकारी नहीं मिलेगी तो आपका रिज्यूमे प्रभावी नहीं होगा। इसलिए रिज्यूमे का डिजाइन ऐसा होना चाहिए कि उसमें आपकी क्वालिटीज उभर कर सामने आए।

VIRAL VIDEO

सोनम गुप्ता यूट्यूब पर हिट

भिलाई ● इन दिनों सोशल साइट्स पर वॉयरल सोनम गुप्ता की कहानियों के बाद यू ट्यूब पर इससे जुड़ा एक म्यूजिकल वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो ने आते ही धूम मचा दी है। यू-ट्यूब पर अपलोड किए गए वीडियो को अभी तक 8 हजार से अधिक व्यूज मिल चुके हैं। इस वीडियो के म्यूजिक सिद्धार्थ शर्मा और नकुल देशमुख की जोड़ी ने डायरेक्ट किया है। वहीं इसके सिंगर जिशान अली तोबानी और नकुल देशमुख हैं। इस म्यूजिकल वीडियो रैप के तर्ज पर तैयार किया गया है, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है।

सिद्धार्थ शर्मा ने बताया, 'हम सभी सोनम गुप्ता के पोस्ट से थोड़ा परेशान थे। इसके बारे में सच्चाई तो किसी को पता नहीं थी, लेकिन जो सवाल मन में आ रहे थे उन्हें ही रैप करते हुए सॉन्ग तैयार किया। गाने का म्यूजिक एक दिन में तैयार हो गया था, वीडियो फाइनल करने में 5 दिन का समय लगा।

यह है लिरिक्स

ना जाने वो कहां से आई..
पर वो वो नोटों पर छाई...
जाने किसको दिया था उसने धोखा..
टीवी और ट्वीटर पे भाई...
ब्रेकिंग उसने न्यूज बनाई..
जाने किसको ना दिया था दूजा मौका
सोनम गुप्ता तू है बेवफा

प्रदेश के युवाओं को साथ लेकर बॉलीवुड प्रोड्यूसर श्रीराम डाल्टन करेंगे अवेयर

शराब बंदी की मुहिम में जुड़ रहे बॉलीवुड कलाकार

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई ● प्रदेश में पूर्ण शराब बंदी को लेकर को लेकर नारी शक्ति स्वाभिमान मंच द्वारा वृहद रूप में मुहिम चलाई जा रही है। जिसका मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ में पूर्ण रूप से शराब बंदी कराना है। इसी उद्देश्य को लेकर भिलाई में विगत दिनों बैठक आयोजित हुई।

इसमें प्रमुख्य रूप से नारी शक्ति स्वाभिमान मंच के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. प्रिया शरण त्रिपाठी, मुंबई से आए बॉलीवुड फिल्म मेकर श्रीराम डाल्टन, अमीर हाशमी शामिल हुए। इस दौरान प्रदेशभर में शराब बंदी के लिए चलाए जाने वाले आंदोलन व लोगों को जागरूक करने कार्य योजनाओं को लेकर चर्चा हुई।

बॉलीवुड के फिल्म मेकर श्रीराम डाल्टन ने कहा कि आज भारत में आम शराब व नशा का कारोबार बहुत बढ़ गया है, जिसका सीधा प्रभाव लोगों के जीवन में हो रहा है। शराब व नशे के कारण देश में कई घर उजड़ गए हैं। खास कर युवाओं में शराब इस कदर हावी होता जा रहा है अब इसे बंद नहीं किया गया तो भविष्य में यह समाज को पूर्ण रूप से खोखला कर देगा। उन्होंने बिहार में शराब बंदी को सहीं फैसला बताते हुए छत्तीसगढ़ में शराब बंदी के लिए किए जा रहे नारी शक्ति स्वाभिमान मंच के साथ जुड़कर मुहिम में जुड़ना अपन सौभाग्य बताया।

नशे के आदि युवा भटक रहे अपने लक्ष्य से

मंच के पं. प्रिया शरण त्रिपाठी ने बताया कि देश में सर्वाधिक शराब की खपत छत्तीसगढ़ में हो रही है। राज्य सरकार द्वारा इसपर रोक लगाने कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में शराब व नशा खास कर मजदूर और युवा वर्गों में इस कदर घुल गया है कि नशे की लत के कारण हजारो घर उजड़ गए हैं। युवा अपने लक्ष्य से भटक गए हैं। गांव हो या शहर शाम को गलियों में व चौक-चौराहों पर शराबियों का जमघट सा लगा रहता है। उन्होंने सभी लोगों को शराब बंदी की इस मुहिम से जुड़ने की अपील है।

शराब बंदी में मिशन 108 होगा हमारा हथियार

कलाकार व फिल्म मेकर धमतरी के आमीर हाशमी ने बताया कि इस छत्तीसगढ़ में इस मुहिम से स्कूल कॉलेजेस के युवाओं को जोड़ा जाएगा। इसके तहत मिशन-108 को बताते हुए उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में शराब बंदी विषय पर 108 शॉट फिल्म बनाकर प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसमें प्रत्येक स्कूल कॉलेजेस व अन्य युवाओं को शॉट फिल्म, डॉक्यूमंट्री आदि बनाकर इस फेस्टीवल में हिस्सा ले सकेंगे। इसके बाद इन फिल्मों के माध्यम से पूरे देश लोगों को जागरूक किया जाएगा। बेस्ट फिल्म को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

ANCHOR

शैडो ऑफ थॉट्स का जयपुर में चयन

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई ● जयपुर आर्ट समिट (जेएएस) बुधवार से शुरू होने जा रहा है। इसमें जिले का प्रतिनिधित्व तुषार वाघेला करेंगे।इसमें उनकी फिल्म शैडो ऑफ थॉट्स के प्रदर्शन एवं भारत में कला फिल्म निर्माण के अवसर एवं चुनौतियां विषय पर चर्चा के लिए आमंत्रित किया गया है। इस आयोजन में तुषार की पेंटिंग एलोगोरी ऑफ राईस रूट का भी प्रदर्शन होगा।

जयपुर में कलाकारों का महाकुंभ जेएएस 11 दिसंबर तक चलेगा, इस कला सम्मेलन में दुनिया के 25 देशों के कलाकार शामिल होंगे। जयपुर आर्ट समिट का यह चौथा वर्ष है। रवीन्द्र मंच में आयोजित होने वाले पांच दिवसीय फेस्टिवल में देश-विदेश के कलाकारों एवं फिल्मकारों की कला का जीवंत प्रदर्शन होगा। फिल्म में कविता पेंटिंग और छत्तीसगढ़ी लोक संगीत का प्रयोग उसे अलग आयाम में ले जाता है।

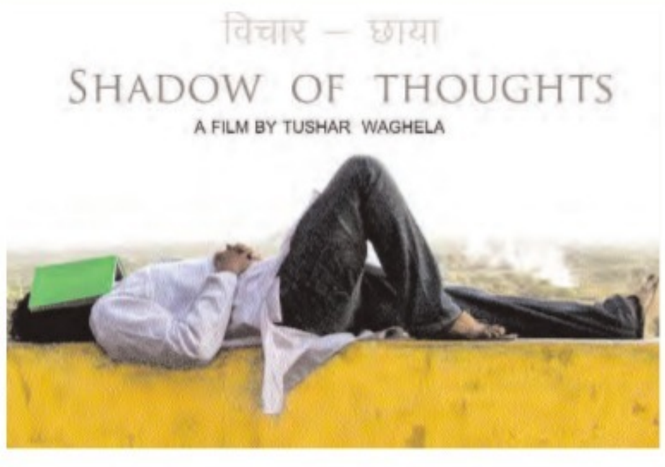

भिलाई की फिल्म

इस फिल्म के निर्देशन के साथ सिनेमेटोग्राफी और एडिटिंग भी तुषार ने की है, फिल्म की पटकथा तुषार और उनकी पत्नी प्रियंका वाघेला ने लिखी है, अभिनय शुभाग्निल सिंह, मान और मनिंदर सिह ने किया है. फिल्म में संगीत सागरदास मानिकपुरी ने दिया है।

शैडो ऑफ थॉट्स दो लोगों की कहानी

शैडो ऑफ थॉट्स फिल्म दो मित्रों, लेखक एवं चित्रकार के संबंधों पर है, फिल्म में लेखक अपनी रचना प्रक्रिया में इस कदर डूबा हुआ है कि वह यथार्थ और भ्रम में फर्क ही नहीं कर पा रहा है और वह उसी भ्रम में ही जीने लगता है। छत्तीसगढ़ अब तक पिछड़ा, नक्सल हिंसा-ग्रस्त राज्य ही माना जाता रहा है, पर कलात्मक प्रायोगिक फिल्मों एवं वीडियो आर्ट, से दुनिया में इसकी नकारात्मक छवि को तोड़ते हुए इसका एक नया ही चेहरा पेश कर रहें हैं।

साइंस कॉलेज में बना स्वास्थ्य परीक्षण केंद्र छात्राओं के लिए सेनेटरी नेपकीन मशीन लगी

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई ● साइंस कॉलेज, दुर्ग में सोमवार को इंडोर हॉल में मेडिकल इंवेस्टीगेशन सेंटर का उद्घाटन किया गया। प्राचार्य डॉ. एसके राजपूत ने बताया कि यूजीसी एवं नैक की मंशा के अनुरूप कॉलेज में लंबे समय से प्रतीक्षित स्वास्थ्य परीक्षण केंद्र अब साकार रूप ले चुका है।

सप्ताह में चार दिन चिकित्सक इस परीक्षण केन्द्र में उपलब्ध रहेंगे। साथ ही महिला कर्मचारियों एवं छात्राओं की स्वास्थ्य समस्याओं के निराकरण हेतु महिला चिकित्सकों की नियमित उपलब्धता का भी प्रस्ताव है। इसके अतिरिक्त दो होम्योपैथी चिकित्सक भी अपनी सेवाएं देंगे। स्वास्थ्य परीक्षण केंद्र में दैनिक उपयोग में आने वाले उपकरणों जैसे ब्लडप्रेशर, शुगर, रक्त जांच, स्टेथिस्कोप, पलंग, ड्रेसिंग आदि की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

छात्राओं को न्यूनतम शुल्क पर सेनेटरी नेपकीन

छात्राओं एवं महिलाओं के लिए गर्ल्स कॉमन रूम में सेनेटरी नेपकीन वेंडिग मशीन लगाई गई है। डॉ. राजपूत ने बताया कि न्यूनतम शुल्क पर छात्राएं आवश्यकता पड़ने पर वेंडिंग मशीन से सेनेटरी नैपकीन आसानी से प्राप्त कर सकती हैं। मेडिकल इनवेस्टीगेशन के उद्घाटन अवसर पर प्रमुख रूप से प्राचार्य डॉ. अनिल श्रीवास्तव, डॉ. शीला अग्रवाल, डॉ. अनुपमा अस्थाना, डॉ. जगजीत कौर सलूजा, डॉ. रंजना श्रीवास्तव, डॉ. कांति चेबे, डॉ. सुकुमार चटर्जी, डॉ.के. पद्मावती, डॉ. तरलोचन कौर, डॉ. वीएस गीते, डॉ. प्रशान्त श्रीवास्तव, अब्दुल महमूद, डॉ. निखिल मिश्रा मौजूद रहे।